

क्रूस (क्रॉस) पुं. (अं.) क्रॉस, ईसाई धर्म का एक प्रकार का धर्मचिह्न, सूली, फाँसी (वह टिकटी जिस पर ईसामसीह को फाँसी दी गई थी, सलीब)।

क्रेडिट पुं. (अं.) बाजार में वह मान-मर्यादा जिसके कारण मनुष्य लेन देन कर सकता हो, साख जैसे- अगर बाजार में क्रेडिट न रह जाए तो कोई माल नहीं मिल सकता।

क्रेता पुं. (तत्.) खरीदने वाला, खरीदार।

क्रोड स्त्री. (तत्.) 1. आलिंगन में दोनों बाँहों के बीच का भाग, भुजांतर, वक्षःस्थल 2. गोद, अलंकार 3. सूअर 4. शनिग्रह 5. वाराहीकंद 6. किसी वस्तु का मध्यभाग 7. कोटर 8. कोडा।

क्रोध पुं. (तत्.) 1. किसी अनुचित तथा अन्यायपूर्ण बात से उत्पन्न तीक्ष्ण मनोविकार, गुस्सा, कोप, 2. रौद्र रस का स्थायी भाव।

क्रोधना वि. (तत्.) क्रोधी स्वभाव वाली स्त्री स्त्री. क्रुद्ध स्त्री।

क्रोधित वि. (तत्.) 1. कुपित, नाराज, क्रुद्ध, क्रोध में आया हुआ।

क्लीव वि. (तत्.) 1. नपुंसक, नामर्द 2. डरपोक, कायर 3. नीच, अधम 4. सुस्त।

क्लेद पुं. (तत्.) 1. ओदापन, गीलापन, आर्द्रता 2. पसीना 3. दुख 4. घाव या फोड़े का स्वभाव, मवाद, पीब।

क्लेदक वि. 1. पसीना लाने वाला 2. गीला या नम करने वाला।

क्लेदन पुं. (तत्.) 1. गीला करने का भाव/कार्य 2. शरीर में पाँच प्रकार की श्लेष्माओं में से एक जो आमाशय से उत्पन्न होती है और भोजन को पचाती है 3. पसीना आना।

क्लेश पुं. (तत्.) 1. दुख, कष्ट, वेदना 2. योगशास्त्र के अनुसार क्लेश के पाँच भेद हैं अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश 3. झगड़ा, लड़ाई, टंटा जैसे- वह कामधाम कुछ करता नहीं, घर में क्लेश किए रहता है।

क्लेशक वि. (तत्.) दे. क्लेशकर।

क्लेशकर वि. (तत्.) कष्ट पहुँचाने वाला, दुःखदायी।

क्लेशक्षम वि. (तत्.) दुःख सहने में समर्थ।

क्लेशी वि. (तत्.) 1. क्लेशकर, दुःखद 2. आहत करने वाला।

क्लोम पुं. (तत्.) दाहिनी ओर का फेफड़ा, फुफ्फुस 2. प्यास, पिपासा।

क्लोरोफार्म पुं. (अं.) प्रसिद्ध तरल औषधि जिसे सूँघते ही थोड़ी देर में मनुष्य अचेत हो जाता है मुहा. क्लोरोफार्म देना- क्लोरोफार्म सुँघाना।

क्वचित् क्रि.वि. (तत्.) कोई कहीं, बहुत कम।

क्वण पुं. (तत्.) 1. वीणा का शब्द 2. घुँघरू का शब्द 3. आवाज, ध्वनि।

क्वणन पुं. (तत्.) 1. शब्द, ध्वनि 2. किसी वाद्य या घुँघरू, आभूषण आदि की ध्वनि 3. मिट्टी का छोटा पात्र।

क्वार पुं. (तद्.) 1. आश्विन का महीना 2. दे. क्वारा।

क्वारा पुं.वि. (तद्.) जिसका विवाह न हुआ हो, कुआरा।

क्वारापन पुं. (देश.) क्वारे अथवा अविवाहित होने की अवस्था या भाव।

क्वार्टर पुं. (अं.) 1. छोटा मकान 2. वर्ग विशेष वालों की बस्ती, बाड़ा 3. किसी संस्था द्वारा बनाई गई अफसरों और कर्मचारियों के रहने की जगह, जैसे- रेलवे क्वार्टर 4. वह स्थान जहाँ सेना ने डेरा डाला हो, छावनी, मुकाम 5. चौथाई भाग, चौथा हिस्सा 6. पौंड का एक तौल।

क्वार्टर मास्टर पुं. (अं.) 1. सेना का एक अधिकारी जो सैनिकों के लिए रसद, मकान आदि की व्यवस्था करता है 2. जहाज का एक अधिकारी जो मल्लाहों को आवश्यक संकेत देता है।

क्षंतव्य वि. (तत्.) क्षमा करने के योग्य, क्षम्य।

क्षंता वि. (तत्.) क्षमाशील, क्षमा करने वाला।